ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680, रेलवे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669 रेलवे – 53101, 53102, 53103
फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 18 अंक – 69 अप्रैल–जून 2014

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. राष्ट्रपति भवन में भा.रे.इं.सेवा के परिवीक्षार्थी
2. दीक्षांत समारोह
3. प्रदर्शन यार्ड का उद्घाटन
4. मुख्य इंजीनियर/ प्लानिंग का सेमिनार
5. मुख्य इंजीनियर/ रेलपथ प्रोक्योरमेंट का सेमिनार
6. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
7. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 123वीं बैठक
8. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
9. इरिसेन प्रयोगशाला का विस्तार
10. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
11. स्वागत
12. विदाई
13. अचीवर सीरीज लेक्चर
14. इरिसेन प्रशिक्षुओं के बायोडाटा का आधुनिकीकरण

1. राष्ट्रपति भवन में भा.रे.इं.सेवा के परिवीक्षार्थी

महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी भा.रे.इं.से.के परि. का अभिवादन स्वीकार करते हुए

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2011 बैच के परिवीक्षार्थियों ने महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से दिनांक 22 अप्रैल, 2014 राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में मुलाकात की। ग्रीन बिल्डिंग का सपना साकार होने के उपरांत भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान (इरिसेन) के लिए यह एक अविस्मरणीय दिन था। ऐसा पहली बार हुआ है जब महामहिम राष्ट्रपति ने इंजीनियरिंग के अधिकारियों को उनके फील्ड में प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उनकी क्षमताओं को और अधिक विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी भा.रे.इं.से.के परि एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए

श्री अरूणेन्द्र कुमार, भारत सरकार के प्रधान पदेन सचिव एवं अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड महामहिम राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए

महामहिम राष्ट्रपति के पास कुल 68 परिवीक्षार्थियों का दल उनसे मुलाकात करने गया था जिनमें तीन महिला परिवीक्षार्थी भी थीं। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षार्थियों के दल का नेतृत्व माननीय श्री अरूणेन्द्र कुमार, भारत सरकार के प्रधान पदेन सचिव एवं अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड कर रहे थे। श्री सुधीर मित्तल, सलाहकार (पुल), रेलवे बोर्ड, श्री वी.के.जैन, अपर सदस्य (कार्य), रेलवे बोर्ड, श्री आलोक कुमार कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजीनियरिंग (सामान्य), रेलवे बोर्ड, श्री विश्वेश चौबे निदेशक, इरिसेन, श्री एन.सी.शारदा, वरिष्ठ प्राध्यापक / रेलपथ–I, इरिसेन तथा श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल–I, इरिसेन भी इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन में उपस्थित थे।

श्री अरूणेन्द्र कुमार, भारत सरकार के प्रधान पदेन सचिव एवं अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय का विनम्र अभिवादन करते हुए कहा कि आपने रेलवे के इन नवयुवा अधिकारियों को जो प्रोत्साहन दिया है इससे इनके मनोबल का स्तर सदा उंचा बना रहेगा तथा कर्म क्षेत्र में आजीवन कठिनाइयों से जूझने और सदा आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा इन्हें मिलती रहेगी। आपने बताया कि भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान से जो युवा अधिकारी प्रशिक्षण ले चुके हैं वे सभी बड़े मेधावी हैं और इनमें से 18 परिवीक्षार्थी तो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल किए हुए हैं। आपने महामहिम से यह भी बताया कि इन

संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

श्री अरूणेन्द्र कुमार, भारत सरकार के प्रधान पदेन सचिव एवं अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड महामहिम राष्ट्रपति को इरिसेन भवन के चित्र का समृति चिन्ह प्रदान करते हुए

अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान रेल प्रबंधन के बारे में संपूर्ण जानकारी दी जाती है एवं फील्ड में जाकर काम का अनुभव भी कराया जाता है, जिससे रेल को इनकी बेहतर सेवा मिल सके। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षार्थियों ने प्रशिक्षण के संबंध में अपने अनुभव महामहिम से बताए। फील्ड से प्राप्त अनुभवों को भी आपने महामहिम राष्ट्रपति के साथ साझा किया।

राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश युवाओं का है और युवाओं की सोच तथा उनका मिशन तय होना चाहिए। महामहिम ने छोटी उम्र में अपने शिक्षक द्वारा दी गई सीख का भी स्मरण किया और शिक्षक द्वारा बताई गई कहानी का जिक्र करते हुए आपने संदेश दिया कि किसी कार्य के निष्पादन में सकारात्मक सोच काम को उत्कृष्ट बना देती है आपने बताया कि एक सड़क का निर्माण किया जा रहा था। जहां कुछ मजदूर पत्थर तोड़ रहे थे। पहले मजदूर से पूछा गया कि आप क्या कर रहे हो – उसने कहा पत्थर तोड़ रहा हूं। दूसरे से पूछने पर उसने बताया कि मैं पत्थर तोड़ कर रोजी रोटी कमा रहा हूं। तीसरे मजदूर से यही सवाल किया गया – उसने बताया कि वह लोगों की सहूलियत के लिए सड़क बनाने का काम कर रहा है। इस कहानी का भावार्थ कर्म की परिभाषा एवं जीवन की दिशा बदल देती है। आपने युवा परिवीक्षार्थियों से कहा कि आपका अपना एक लक्ष्य, अपनी एक दूरदृष्टि होनी चाहिए। जीवन में अवसर सभी को नहीं मिलता लेकिन जो सही समय पर सही अवसर का लाभ उठा लेते हैं दुनिया उनकी मुट्ठी में होती है। भारतीय रेल की सेवा द्वारा आप अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय का विशेष आभार मानते हुए कहा कि अपना बहुमूल्य समय देकर आपने हमें सम्मानित और प्रोत्साहित किया है। यहां आकर हमें आपसे प्रेरणा मिली है। उम्मीद है कि रेलवे के ये भावी अधिकारी नई उमंग एवं उत्साह से रेल के सामुदायिक उद्देश्यों की पूर्ति करेंगे। श्री चौबे ने उपस्थित सदस्यों एवं अन्य सभी सहयोगियों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने पहली बार इस प्रकार के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, का आभार प्रदर्शन करते हुए

2. दीक्षांत समारोह

इरिसेन में दिनांक 16 अप्रैल, 2014 को आई.आर.एस.ई. बैच -2011 के प्रशिक्षण की समाप्ति के उपरांत दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। श्री सुबोध जैन, भारत सरकार के पदेन सचिव एवं सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि थे। श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल–। की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री नीलमणि, प्राध्यापक/रेलपथ ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सर्वप्रथम उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग का अभिवादन करते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए उनका विशेष स्वागत किया। आपने श्री ए. के. मित्तल, प्रधान मुख्य इंजीनियर, मध्य रेल, श्री ए. के. गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण), मध्य रेल तथा मध्य रेल

दीक्षांत समारोह के अवसर पर मंच पर आसीन मुख्य अतिथि श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड एवं श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे

के अधिकारियों, महिलाओं एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। तदुपरांत श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा, बैच – 2011 के 63 परिवीक्षार्थियों को उनकी सफलता पर स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर उनको प्रोत्साहित किया। श्री जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने सभी परिवीक्षार्थियों द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें बधाई दी। सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री जैन ने अपने संबोधन में कहा कि कि भारतीय रेल का इतिहास 161 साल पुराना है। इसकी अपनी संस्कृति एवं सभ्यता है जिसकी बदौलत इतने लंबे अर्से से यह बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर हो रहा है। इसका इतिहास गौरवपूर्ण एवं भविष्य सुनहरा है।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड महिला परिवीक्षार्थी को स्मृति चिन्ह देते हुए साथ में श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे

आपने परिवीक्षार्थियों को बताया कि आपकी सेवा सावधानीपूर्वक एवं बेहतर होनी चाहिए। आप में नेतृत्व की क्षमता होनी चाहिए। श्री जैन, सदस्य इंजीनियरिंग ने रेलवे पर कार्यरत पेट्रोलमैन की भूमिका के बारे में जिक्र किया कि चिलचिलाती धूप हो, धुंआधार बारिश हो या कड़कड़ाती ठंढ पेट्रोलमैन अपनी ड्युटी में लगा रहता है और लाइन की देखभाल करता रहता है। कई बार रेल हादसों में उनकी जान भी चली जाती है। परंतु रेलवे के ये जवान अपने साथी की मृत्यु के बाद भावनाओं पर लगाम लगाते हुए पुनः उसी जज्बात से ड्युटी में लग जाते है। रेल संगठन का यही जज्बा बेहतर नेतृत्व का संवाहक बनती है। नेतृत्व के बाद आपने परिवीक्षार्थियों की दूसरी अहम् आवश्यकता फिजिकल फिटनेस की बताई। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है। आपने व्यक्तिगत समस्याओं को नौकरी से दूर रखने की बात बताते हुए भावनाओं एवं अहम को अपने पर हावी न होने देने की सलाह दी। श्री जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन को विराम देने से पहले परिवीक्षार्थियों को बताया कि हाई स्पीड ट्रैक एवं मेट्रो सिस्टम के जमाने में सीमित संसाधनों के साथ बेहतर तकनीक इस्तेमाल करते हुए रेल को उंचाइयों पर ले जाना ही हमारा लक्ष्य हो। श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल–। ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार मानते हुए कार्यक्रम समाप्त की।

श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल, इरिसेन दीक्षांत समारोह के अवसर पर आभार प्रदर्शन करते हुए

3. प्रदर्शन यार्ड का उद्घाटन

श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजी., रेलवे बोर्ड इरिसेन परिसर में प्रदर्शन यार्ड का शिलान्यास करते हुए साथ में निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे एवं अन्य संकाय सदस्यगण

दिनांक 16 अप्रैल, 2014 को प्रात: 09.00 बजे श्री सुबोध जैन, भारत सरकार के पदेन सचिव एवं सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान के ग्रीन बिल्डिंग एवं इरिसेन छात्रावास के सन्निकट आरवीएनएल कार्यालय के सामने डिमॉन्स्ट्रेशन यार्ड का शिलान्यास के साथ विधिवत उद्घाटन किया। इस समारोह में श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे के अलावा इरिसेन के सभी संकाय सदस्य, मध्य रेल, पुणे मंडल के अधिकारी एवं इरिसेन के प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे। इरिसेन के इस डिमॉन्स्ट्रेशन यार्ड में ट्रैक, टर्न-आउट, वैगन बोगी (कैस्नब बोगी), लोकोमोटिव बोगी अर्थात को-को ट्राई माउंट बोगी (WDM2), कंक्रीट स्लीपर एवं रेलपथ फीटिंग के सामग्रियों का डिमॉन्स्ट्रेशन किया गया है। इस यार्ड में रखे सामग्रियों से इरिसेन के प्रशिक्षु अधिकारियों एवं इरिसेन रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान के पर्यवेक्षकों, सीनियर सेक्शन इंजीनियरों एवं जूनियर सेक्शन इंजीनियरों को प्रशिक्षण की बारीकियों को समझने में लाभ होगा।

श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजी., रेलवे बोर्ड इरिसेन परिसर केमें प्रदर्शन यार्ड का निरीक्षण करते हुए साथ में निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे एवं अन्य अधिकारीगण

4. मुख्य इंजीनियर/ प्लानिंग का सेमिनार

मुख्य इंजीनियर/प्लानिंग के सेमिनार में इरिसेन के निदेशक श्री विश्वेशचौबे के साथ संकाय सदस्य एवं सेमिनार में हिस्सा लेने आए क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर/प्लानिंग

इरिसेन, पुणे में दिनांक 10 एवं 11 अप्रैल, 2014 को मुख्य इंजीनियर/प्लानिंग के सेमिनार का आयोजन किया गया और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस सेमिनार में मुख्य इंजीनियर/प्लानिंग, दक्षिण रेल, मुख्य इंजीनियर/ कार्य, द.म.रेल एवं वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य की एक समिति का गठन किया गया जो रेलों में क्षेत्रीय ठेकों की नीति से संबंधित विभिन्न विषयों को देखेंगे। सेमिनार के दौरान प्रस्तुतीकरण भी दिए गए, यथा श्री एन.सी.शारदा, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-। द्वारा 'मेन फीचर्स ऑफ न्यू इरिसेन ग्रीन बिल्डिंग'', एवं प्रधान मुख्य इंजी./उत्तर मध्य रेल द्वारा UPVC पाइप इन प्लम्बिंग सिस्टम '। सेमिनार में कुछ मदों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

5. मुख्य इंजीनियर/ रेलपथ प्रोक्योरमेंट का सेमिनार

इरिसेन, पुणे में दिनांक 08 एवं 09 मई, 2014 को मुख्य इंजीनियर/ रेलपथ प्रोक्योरमेंट का सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्रीय रेलों के 17 मुख्य इंजीनियर/ रेलपथ प्रोक्योरमेंट एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे , एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरा विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची

मुख्य इंजीनियर/ रेलपथ प्रोक्योरमेंट के सेमिनार में इरिसेन के निदेशक श्री विश्वेशचौबे के साथ संकाय सदस्य एवं सेमिनार में हिस्सा लेने आए क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर/ रेलपथ प्रोक्योरमेंट

मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। श्री राजाराम प्रसाद, महाप्रबंधक/क्रिस द्वारा IREPS-लेटेस्ट डेवलपमेंट', श्री कौशल किशोर,मुख्य इंजी./टीपी, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा इंन्डेट एंड पीओ मैनेजमेंट '। इस सेमिनार में कुछ मदों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

6. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार

मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 5 एवं 6 जून, 2014 को मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों के 9 अधिकारियों ने हिस्सा लिया । सेमिनार में 84वीं रेलपथ मानक समिति के मदों पर समीक्षा कीगई । इसके अतिरिक्त रेल, स्लीपर्स एवं फास्निंग प्वाइंट एव क्रासिंग, LWR एवं वेल्डिंग पर चर्चा कीगई । सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। मुख्य रेलपथ इंजी./उत्तर सीमांत रेल द्वारा व्हील बर्निंग एंड रिवीजन ऑफ गैंग चार्ट, अलकोआ इंडिया प्रायवेट लिमि. द्वारा यूज ऑफ हक फास्टनर्स ऑन रेलवे ट्रैक, मुख्य रेलपथ इंजी. /उत्तर सीमांत रेल द्वारा टीडब्ल्युआर । प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की प्रशंसा की गई ।

7. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 123वीं बैठक

दिनांक 16 मई, 2014 को संस्थान में निदेशक महोदय के समिति कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 123वीं बैठक समिति के अध्यक्ष श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राजभाषा की प्रगति पर विचार विमर्श किया गया। श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक / पुल ने बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से दिनांक 20 मार्च, 2014 को विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे में बैठक आयोजित की गई थी और इस बैठक में इरिसेन को हिंदी कार्य में बेहतर योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से इरिसेन को ये सम्मान तीसरी बार प्राप्त हुआ है। अध्यक्ष महोदय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की यह पहली बैठक थी अत: उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अग्रवाल ने अध्यक्ष महोदय को इरिसेनमें राजभाषा से संबंधित कामकाज के बारे में बताया। आपने कहा कि संस्थान के कार्यालय में अधिकतर काम हिंदी की आम बोलचाल की भाषा में किया जाता है। स्थापना अनुभाग से संबंधित रूटीन कार्य को फॉर्मेट के रूप में द्विभाषी बना लिया गया है। संस्थान के छात्रावास में भी लगभग सभी रजिस्टरों में प्रविष्टियां हिंदी में की जाती हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष महोदय श्री विश्वेश चौबे ने सबसे पहले सभी सदस्यों का स्वागत किया, तदुपरांत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर सभी सदस्यों को बधाई दी। साथ ही संस्थान में किए जा रहे कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त किया। तकनीकी क्षेत्र में किए गए पुस्तकों के अनुवाद की चर्चा की गई एवं भविष्य में भी और तकनीकी पुस्तकें अनुवाद की जाए इस पर जोर दिया। संस्थान में पाठक मंच की बैठक को नियमित रूप से कराने के निर्णय लिए गए। राजभाषा सप्ताह के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित करने के संबंध में चर्चा की गई। संस्थान में राजभाषा के नीति-निदेशों के अनुपालन पर अध्यक्ष महोदय ने संतोष व्यक्त किया।

8. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 14104

प्रथम

जी. विश्वनाथ
सहा.कार्य.इंजी./इलाहाबाद /उ.म.रे.

द्वितीय

प्रेमचंद प्रसाद
स.मं.इंजी./धनबाद/पू.म.रे.

9. इरिसेन प्रयोगशाला का विस्तार

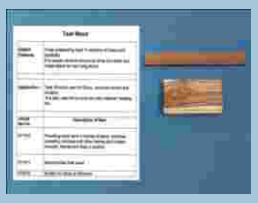

संस्थान के प्रयोगशाला में वर्क्स (निर्माण/अनुरक्षण कार्य के लिए) का एक सेक्शन बनाया गया है। इस सेक्शन में सामग्रियों के निरीक्षण (मैटीरियल पार्सिंग) के विषय में जानकारी दी गई है। प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए यह उपयुक्त साबित होगा।

10. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	14005	आईआरएसई चरण 2(समूह –पी)	08/09/14	04/12/14
2	14103	समेकित पाठ्यक्रम	21/07/14	09/10/14
3	14203	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	18/08/14	26/09/14
4	14204	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	10/11/14	19/12/14
5	14304	मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों का सेमिनार	24/07/14	25/07/14
6	14305	मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार	04/09/14	05/09/14
7	14306	मुख्य इंजीनियर रेलपथ मशीन का सेमिनार	21/08/14	22/08/14
8	14307	प्रशिक्षण प्रबंधकों का सेमिनार	09/10/14	10/10/14
9	14408	भूमि प्रबंधन एवं ग्रीन बिल्डिंग	21/07/14	01/08/14
10	14409	स्टील स्ट्रक्चर एवं पीएससी	04/08/14	14/08/14
11	14410	रेलवे फारमेंशन एवं भू. तक. जांच	11/08/14	14/08/14
12	14411	रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट (टी –2)	18/08/14	23/08/14
13	14412	ठेका एवं विवाचन एवं प्रोजेक्ट प्रबंधन	25/08/14	05/09/14
14	14711	परिविक्षार्थियों के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	04/08/14	08/08/14
15	14809	रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट	21/07/14	01/08/14
16	14810	रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट	04/08/14	21/08/14

11. स्वागत/बिदाई

स्वागत

श्री गौतम.वी.विहाड़े, प्राध्यापक/ कार्य ने दिनांक 01 जुलाई, 2014 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मध्य रेल पुणे मंडल पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय के पद पर कार्यरत थे। श्री विहाड़े, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1993 बैच के अधिकारी हैं। आपने 1995 में सहा.इंजी./आमला, नागपुर मंडल के रूप में रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत की। तदुपरांत आप मंडल इंजीनियर/दक्षिण पूर्व, मुंबई मंडल, कार्यकारी इंजीनियर/निर्माण, दादर, उप मुख्य इंजीनियर/पुल, मध्य रेल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/दक्षिण, नागपुर मंडल, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, सोलापुर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ समन्वय, सोलापुर एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ समन्वय, पुणे मंडल, इत्यादि पदों पर कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री राजेंद्र कुमार कठल, ने दिनांक 03 जून, 2014 को इरिसेन में व्याख्याता रेलपथ – २ का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सहायक मंडल इंजीनियर/ नागपुर के पद पर कार्यरत थे। श्री कठल, जू इंजी./रेलपथ, मुलतई, घाट सेक्शन, मध्य रेल से रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत की। तदुपरांत आप सहा. मंडल इंजीनियर/कार्य, अकोला, सहा.मंडल इंजीनियर क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, भुसावल, सहा.मंडल इंजीनियर/लोणावला इत्यादि पदों पर कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री दीपक गोपाल जोशी, ने दिनांक 09 जून, 2014 को मंडल वित्त प्रबंधक, इरिसेन का पदभार पुन: ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप मंडल वित्त प्रबंधक, मुंबई मंडल, मध्य रेल के दादर स्टेशन कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है। ।

बिदाई

इरिसेन में झेराक्स आपरेटर एवं ग्रंथालय सहायक के पद पर कार्यरत श्री अंजनैया सिद्प्पा दिनांक 31 मई, 2014 को रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं। श्री अंजनैया सदा कर्मशील एवं अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहे हैं। आपकी सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपको शुभकामनाएं देता है और आपके दीर्घायु जीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

इरिसेन में वरिष्ठ खलासी के पद पर कार्यरत श्री विश्वनाथ बालाजी पवार, 16 मई, 2014 को रेल सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए हैं। श्री पवार कार्य के प्रति लगनशील एवं निष्ठावान कर्मचारी रहे हैं। आपकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपको शुभकामनाएं देता है और आपके दीर्घायु जीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

13. अचीवर सीरीज लेक्चर

इरिसेन में दिनांक 16 जून, 2014 को अचीवर सीरीज लेक्चर के लिए मैग्सेसे पुरस्कार विजेता श्री संदीप पांडे को आमंत्रित कियागया था। मैग्सेसे पुरस्कार एशियन नोबल पुरस्कार के नाम से भी विख्यात है। श्री पांडे को उनके सामाजिक दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए रमन मैग्सेसे पुरस्कार से नवाजा गया । श्री पांडे पेशे से मेकेनिकल इंजीनियर हैं और आई. आई. टी. वाराणसी में प्रोफेसर भी हैं। आप आशा ट्रस्ट सेंट्रल चैप्टर इंडिया से जुड़े हैं और सामाजिक न्याय हेतु कार्य में सक्रिय हैं। श्री पांडे ने 'इन्क्लूसिव डेवलपमेंट इन सोसायटी' विषय पर एक प्रेजेंटेशन भी दिया।

14. इरिसेन प्रशिक्षुओं के बायोडाटा का आधुनिकीकरण

भारत सरकार के सभी सचिवालय प्रमुखों से प्रधानमंत्री के विचार विमर्श के उपरांत लिए गए निर्णय के अनुसार सरकारी कार्यालयों में उपयोग में लाए जा रहे फॉर्मों को काट छांटकर अवांछित विषयों को हटाकर एक पृष्ठ के सॉफ्ट कॉपी में बनाने पर जोर दिया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए इरिसेन में प्रशिक्षण पर आए प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए कंप्यूटर पर संक्षिप्त द्विभाषीय बायोडाटा फॉर्म तैयार कर लिया गया है। यह बायोडाटा इरिसेन LAN पर भी उपलब्ध होगा।

युद्ध में जाकर लड़ना कोई बहुत बड़ा पाप नहीं है। वास्तव में पाप है हमारे समाज की वे बातें, जिनके कारण युद्ध होता है।
– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित